मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। मंगलवार को स्वास्थ्य टीम ने 5276 लोगों

सिविल सर्जन डा.विरेंद्र यादव का कहना है कि जिन्हें बुखार या कोरोना

में देरी न करें। इससे स्वयं भी सुरक्षित रहेगा और स्वजन भी बचे रहेंगे।

के लिए कोरोनारोधी टीकाकरण

31 स्थित पार्श्वक्लीनिक और पटौदी

फैसला सीबीएसई बारहवीं की परीक्षा रद होने के बाद आशंकाओं पर लगा विराम, लोगों ने ली राहत की सांस

शिक्षाविदों ने किया सीबीएसई के निर्णय का स्वागत

प्रियंका दुबे मेहता • गुरुग्राम

केंद्रीय माध्यमिक बोर्ड (सीबीएसई) ने बारहवीं कक्षा की परीक्षाएं रद कर दी हैं। इसको लेकर लंबे समय से असमंजस की स्थिति बनी थी। शिक्षाविदों, शिक्षकों, अभिभावकों और अधिकारियों ने बहुत से विकल्प सुझाए कि विद्यार्थियों को बिना परीक्षा दिए प्रमोट न किया जाए, लेकिन अंत में सीबीएसई ने परीक्षा न कराने का निर्णय लिया तो सबको एक तरह से राहत पहुंची है। परीक्षा न करवाने के इस निर्णय का स्वागत सबसे अधिक अभिभावकों ने किया है। हालांकि उच्चतर शिक्षा को लेकर शुरुआत में थोड़ी असमंजस की स्थिति बन सकती है लेकिन शिक्षाविदों का कहना है कि इस समस्या का भी कोई निदान अवश्य होगा।

सीबीएसई का यह निर्णय सराहनीय है। अभिभावक और शिक्षक इस बात को लेकर काफी तनाव में थे कि परीक्षाएं कैसे करवाई जाएंगी। कोरोना के केस अभी तक आ रहे हैं और ऐसी स्थिति में परीक्षा करवाना तनावपूर्ण होता।
अदिति मिश्रा, डायरेक्टर प्रिंसिपल, डीपीएस, गुरुग्राम, नोडल अधिकारी, सीबीएसई

केंद्र सरकार ने एक अच्छा और सोचा समझा निर्णय लिया है। मैं केंद्र सरकार के फैसले से सहमत हूं। आफलाइन परीक्षाएं चाहे तीन घंटे की होती या डेढ़ घंटे की, कक्षा में बीस बच्चे बैठते या चार संक्रमण का खतरा रहता ही। स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर परीक्षा रद करना ही सही था।
मेजर हर्ष कुमार, सचिव, एनसीईआरटी

सरकार का यह निर्णय बिलकुल सही है। वक्त की यही मांग थी और सरकार से इसी उचित निर्णय की दरकार थी। विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोपरि है।
डा. सर्वदानंद आर्य, हरियाणा कृषि विवि, एमडीयू रोहतक, कुरुक्षेत्र विवि के पूर्व कुलपति

केंद्र सरकार ने परीक्षा को रद करके बच्चों को स्वास्थ्य को सर्वोपरि रखा है। छात्रों में असमंजस की स्थिति खत्म हुई। परीक्षाएं महत्वपूर्ण थी पर स्वास्थ्य को भी नकारा नहीं जा सकता था।
प्रियंका गुलाटी, प्रधानाचार्य, एवरग्रीन पब्लिक स्कूल, दिल्ली

प्रधानमंत्री द्वारा 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा जो रद की गई है उसका हम स्वागत करते हैं। महामारी अपने चरम पर है। ऐसी हालत में परीक्षा लेना संभव नहीं था। ऐसे में प्रधानमंत्री द्वारा लिया गया निर्णय सराहनीय है।
यशपाल यादव, प्रदेश अध्यक्ष, हरियाणा शिक्षण संस्थान संगठन

वर्तमान परिस्थितियों और आशंकाओं को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। विद्यार्थियों की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर लिया गया यह निर्णय स्वागत योग्य है। मुझे भरोसा है कि सीबीएसई नए मानदंडों के साथ आगे की राहें सुगम बनाएगा। -**ज्योति अरोड़ा**, प्राचार्य, माउंट आबू पब्लिक स्कूल, रोहिणी

यह निर्णय उचित है लेकिन अब सरकार और शिक्षा विभाग को इन विद्यार्थियों के भविष्य के बारे में सोचना होगा कि ऐसी कोई व्यवस्था हो कि उनका भविष्य प्रभावित न हो। विश्वविद्यालयों में दाखिलों को लेकर पारदर्शी नीतियां बनें ताकि प्रतिभावान विद्यार्थी पीछे न रह जाएं। -**डा. अशोक दिवाकर** पूर्व कुलपति, स्टार एक्स विवि

भले ही परीक्षा नहीं हुई हो लेकिन कोई ऐसी नीति बने ताकि विश्वविद्यालयों में दाखिले लेने के लिए कोई न कोई आधार बनाया जा सके। उम्मीद है कि सीबीएसई अपने मानकों पर विद्यार्थियों का आकलन करके ही उन्हें विवि तक भेजेगी। इतना प्रभाव पड़ेगा कि दाखिला प्रक्रिया में देरी होगी।
डा. मारकंडे आहूजा, कुलपति, गुरुग्राम विश्वविद्यालय

केंद्र सरकार का फैसला स्वागतयोग्य है। ये अनिश्चितता का दौर था। सरकार ने सही समय पर सही फैसला लिया। अब मूल्यांकन के लिए बोर्ड को जल्द ही कोई फैसला लेना होगा।
-**लक्ष्य वीर सहगल**, प्रधानाचार्य, बाल भारती स्कूल, पूसा रोड